THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD):
(a) and (b). The investigations are continuing and the case is pending in the Court. A Liquidator has been appointed.

(c) and (d). The question of refund of the share money will be considered after the investigations are completed and the Court issues orders in the matter.

भारत हैवी इलक्ट्रिकल्ज, हरिद्वार द्वारा में लाई गई भूमि

426. भी मुल्कीराज सैनी: क्या भारी उडकांग मन्त्री यह बनाने की कृपा करेंगे कि:

- (क) भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्सः हरिद्वार के पास कितने एकड़ कृषि योग्य भूमि है ;
- (ख) किसानों को कितनी भूमि पट्टे 'पर दी गई है;
- (ग) किननी भूमि ग्रप्रयुक्त पड़ी हुई है; ग्रोर
- (घ) क्या यह भूमि किमानों को "अस्थार्था पट्टे पर के का विचार है और यदि इहां तो कब ?

भारी उप्रोत मध्यासय में उपनंत्री (श्री 'सिबंहबर प्रसाद) :

- (क) 809 एकड़।
- (ख) 394 एकड़।
- (ग) 415 एकड़।
- (घ) जी हां। जनवरी 1973 में उत्तर प्रदेश सरकार को इस ग्राशय की जान-कारी दी गई थी कि ग्रप्रयुक्त भूमि किसानों को ग्रस्थाणा ग्रीर पर पट्टे पर दी जा सकती

Seminar on Safety in Design and Utilisation of Machine Tools

- 427. SHRI SAMAR MUKHERJES: Will the Minister of HEAVY INDUSTRY be pleased to state:
- (a) whether the attention of Government has been drawn to the conclusions and recommendations of the seminar conducted by the National Safety Council and the Central Machine Tools Institute on "Safety in the design and utilisation of machine tools" at Bangalore on the 12th January, 1973;
- (b) if so, the salient points of the suggestions and recommendations made at the seminar; and
- (c) the reaction of Government thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): (a) to (c). At the seminar held Bombay recommendations were made for publication of a paper on Safety Code for Machine Tools as National Code. These are being considered by the Indian Standards Institution, concerned with the formulation Standards and Codes. The suggestions are however, for adoption by designers and users of machine tools and as such no action by the Government is contemplated.

उदयपुर जिंक लिमिटेड, राजस्थान से विवेली गैंस

- 429. श्री लालजी माई, : क्या श्रम ग्रीर पुनेवास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :
- (क) क्या राजस्थान में उदयपुर जिंक लिमिटेड के एसिड और रोस्टर प्लांट में से बिजली गैस (सल्फर डाइआक्साइड) बहुत अधिक माला में लीक हो रही है जिसके फल-स्वरूप वहां का वायुमण्डल दूषित हो रहा है जिससे वहां के श्रमिकों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड रहा है और उन्हें झब रोग (टी० बी०) और कौसिलीस रोग होने क्यो हैं; और